Series RHB

Code No. **4/1**
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

संकलित परीक्षा – II

HINDI

हिन्दी

(Course B)

(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

सामान्य पत्र-पत्रिकाओं से विद्यालय-पत्रिका की रूपरेखा कुछ भिन्न होती है । इसमें प्रकाशित होने वाली सामग्री की रचना मुख्यतः विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा ही की जाती है । अध्यापकों की कुछ रचनाएँ भी होती हैं । सम्पादक-मंडल द्वारा सम्पादकीय में पत्रिका के उद्देश्य तथा सामग्री से सम्बन्धित विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला जाता है । प्रबंध-समिति के सचिव अथवा प्रधानाचार्य की ओर से अपने प्रकाशित वक्तव्य में विद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला जाता है । इसी लेख में भावी योजनाओं तथा, आवश्यकता हुई तो, अपनी सीमाओं की चर्चा करते हुए जन-सहयोग की कामना प्रकट की जाती है । प्रधानाचार्य अपने लेख में विद्यालय की शिक्षागत विशिष्टताओं की चर्चा करते हुए जहाँ एक ओर अध्यापक-बंधुओं तथा छात्रों के प्रति प्रेरणाप्रद शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं, वहीं दूसरी ओर विद्यालय के अभिभावकों, हितैषियों तथा स्थानीय जनों के सहयोगार्थ उनके प्रति आभार ज्ञापित करते हैं । पत्रिका के अन्य स्तंभों में विभिन्न विषयों पर लेख, संस्मरण, रिपोर्ताज, कहानियाँ, कविताएँ, एकांकी नाटक, लघु कथाएँ, हास्य-व्यंग्य भरे चुटकुले, सूक्तियाँ तथा शिक्षा-जगत् के विशिष्ट समाचार एवं सूचनाएँ प्रकाशित की जाती है । विद्यालय की उपलब्धियों पर सचित्र लेख भी छापे जाते हैं ।

(i) विद्यालय-पत्रिका की सामग्री अन्य पत्र-पत्रिकाओं से भिन्न होती है, क्योंकि

(क) प्राचार्य द्वारा रचित होती है

(ख) प्राचार्य और अध्यापकों द्वारा रचित होती है

(ग) छात्र-छात्राओं द्वारा रचित होती है

(घ) अध्यापकों की होती है

(ii) विद्यालय-पत्रिका की सामग्री का विषय नहीं होगा

(क) शिक्षा-जगत् के समाचार

(ख) विद्यालय की उपलब्धियाँ

(ग) शेयरों का उतार-चढ़ाव

(घ) साहित्यिक रचनाएँ

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

सामान्य पत्र-पत्रिकाओं से विद्यालय-पत्रिका की रूपरेखा कुछ भिन्न होती है । इसमें प्रकाशित होने वाली सामग्री की रचना मुख्यतः विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा ही की जाती है । अध्यापकों की कुछ रचनाएँ भी होती हैं । सम्पादक-मंडल द्वारा सम्पादकीय में पत्रिका के उद्देश्य तथा सामग्री से सम्बन्धित विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला जाता है । प्रबंध-समिति के सचिव अथवा प्रधानाचार्य की ओर से अपने प्रकाशित वक्तव्य में विद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला जाता है । इसी लेख में भावी योजनाओं तथा, आवश्यकता हुई तो, अपनी सीमाओं की चर्चा करते हुए जन-सहयोग की कामना प्रकट की जाती है । प्रधानाचार्य अपने लेख में विद्यालय की शिक्षागत विशिष्टताओं की चर्चा करते हुए जहाँ एक ओर अध्यापक-बंधुओं तथा छात्रों के प्रति प्रेरणाप्रद शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं, वहीं दूसरी ओर विद्यालय के अभिभावकों, हितैषियों तथा स्थानीय जनों के सहयोगार्थ उनके प्रति आभार ज्ञापित करते हैं । पत्रिका के अन्य स्तंभों में विभिन्न विषयों पर लेख, संस्मरण, रिपोर्ताज, कहानियाँ, कविताएँ, एकांकी नाटक, लघु कथाएँ, हास्य-व्यंग्य भरे चुटकुले, सूक्तियाँ तथा शिक्षा-जगत् के विशिष्ट समाचार एवं सूचनाएँ प्रकाशित की जाती है । विद्यालय की उपलब्धियों पर सचित्र लेख भी छापे जाते हैं ।

(i) विद्यालय-पत्रिका की सामग्री अन्य पत्र-पत्रिकाओं से भिन्न होती है, क्योंकि

(क) प्राचार्य द्वारा रचित होती है

(ख) प्राचार्य और अध्यापकों द्वारा रचित होती है

(ग) छात्र-छात्राओं द्वारा रचित होती है

(घ) अध्यापकों की होती है

(ii) विद्यालय-पत्रिका की सामग्री का विषय नहीं होगा

(क) शिक्षा-जगत् के समाचार

(ख) विद्यालय की उपलब्धियाँ

(ग) शेयरों का उतार-चढ़ाव

(घ) साहित्यिक रचनाएँ

(iii) प्रधानाचार्य अपने लेख में चर्चा करते हैं

(क) प्रबंध-समिति के कार्यों की

(ख) अध्यापकों की कमियों की

(ग) विद्यार्थियों और अभिभावकों की

(घ) शिक्षागत विशिष्टताओं की

(iv) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) वार्षिक पत्रिका

(ख) वार्षिक प्रगति-पत्रिका

(ग) विद्यालय का सूचना-पत्र

(घ) विद्यालय-पत्रिका

(v) 'अपनी सीमाओं की चर्चा करते हुए' — यहाँ 'सीमाओं' का तात्पर्य है

(क) देश की भौगोलिक सीमाएँ

(ख) विद्यालय के चारों ओर की सीमाएँ

(ग) विद्यालय की साधन-सुविधाओं की सीमाएँ

(घ) सरकारी नियम-कानूनों की सीमाएँ

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

शहरी जीवन में समस्याएँ आए दिन पैदा होती रहती हैं जिनका शीघ्र समाधान न ढूँढ़ा जाए तो समाज में असुरक्षा तथा अन्याय-अनाचार की भावना प्रबल होती जाएगी । अतः पारिवारिक अदालतों की स्थापना का निर्णय अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है । इन अदालतों के सूझ-बूझ भरे फ़ैसले किसी भी टूटते हुए परिवार की शांति को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं । इन अदालतों के मामले-मुक़दमे तूल पकड़ने के पहले ही सुलझा दिए जाएँगे । आपसी विचार-विमर्श और समझौते का भाव प्रबल हो सकेगा तथा कानूनी दाँव-पेंचों की दुर्दशा से परिवारों की रक्षा हो सकेगी । न्यायालय के बढ़ते हुए ख़र्च से भी लोग राहत पा सकेंगे, साथ ही सरकारी न्यायालयों पर काम का बोझ कम हो सकेगा और आम जनता को समय पर न्याय मिल सकेगा ।

पारिवारिक अदालतें विश्व के अनेक देशों में अच्छा काम कर रही हैं । ब्रिटेन, जापान, आस्ट्रेलिया आदि देशों में इन अदालतों ने समाज को काफ़ी लाभ पहुँचाया है । भारत में अभी इनकी शुरुआत हुई है तथा इनकी सफलता के प्रति काफ़ी आशाएँ हैं । भारत में पारिवारिक अदालतों की नितांत आवश्यकता है, क्योंकि इस देश की बहुसंख्यक जनता अशिक्षित, निर्धन तथा समस्याओं से ग्रस्त है ।

(i) समाज में असुरक्षा, अन्याय, अनाचार के बढ़ने के कारण हैं
- (क) अशिक्षा और निर्धनता
- (ख) ऊँच-नीच का भेदभाव
- (ग) आए दिन पैदा होने वाली समस्याएँ
- (घ) धनी और ताकतवर लोगों का प्रभाव

(ii) पारिवारिक अदालतों के बारे में सच नहीं है
- (क) इनके फ़ैसलों में अधिक समय नहीं लगता
- (ख) इनके मामले परिवार में ही निबटा दिए जाते हैं
- (ग) इनमें धन का व्यय कम होता है
- (घ) इनके फ़ैसले टूटते परिवारों को जोड़ सकते हैं

(iii) इन अदालतों से कौन-सा भाव प्रबल हो सकेगा ?
- (क) आपसी विचार-विमर्श और समझौते का
- (ख) कानूनी दाँव-पेंच का
- (ग) सरकारी न्यायालयों पर काम के दबाव का
- (घ) जनता की सहनशीलता का

(iv) 'तूल पकड़ना' मुहावरे का अर्थ है
- (क) बात फैल जाना
- (ख) बात बन जाना
- (ग) बात बिगड़ जाना
- (घ) बात बढ़ जाना

(v) भारत में पारिवारिक अदालतों की नितांत आवश्यकता है क्योंकि
- (क) अन्य न्यायालयों में काम कम होता है
- (ख) समाज में समस्याएँ बहुत हैं
- (ग) न्यायालयों में कानूनी दाँव-पेंच अधिक हैं
- (घ) जनता अशिक्षित, निर्धन और समस्याग्रस्त है

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

दृढ़ निश्चय की हुई घोषणा, गूँज उठा जिससे जग सारा,
है स्वतंत्र सब भारतवासी, भारतवर्ष स्वतंत्र हमारा ।
किसके आगे हाथ पसारें, कौन हमें है देने वाला,
अपनी छिनी हुई आज़ादी भारत ख़ुद ही लेने वाला
हमने निज अधिकार-प्राप्ति के प्रण से पशु-बल को ललकारा ।
नर-नारी, बच्चे-बच्चे ने समझा, वह आज़ाद हुआ है
मुक्ति-भावना से घर-घर में एक नया आह्लाद हुआ है,
मिलने को स्वतंत्र देशों में हुआ उठ खड़ा भारत प्यारा ।
दृढ़ निश्चय के साथ हमारे हाथों में अब आज़ादी है
टूटे बंधन, मिटी ग़ुलामी, ख़त्म समझ लो बरबादी है
नई ज़िंदगी, नया वतन अब, नए विचारों की है धारा ।
हैं स्वतंत्र सब भारतवासी भारतवर्ष स्वतंत्र हमारा ॥

(i) 'पशुबल को ललकारा' कथन का क्या तात्पर्य है ?
- (क) पशुओं को चुनौती दी
- (ख) अंग्रेजों को चुनौती दी
- (ग) अहिंसा का सहारा लिया
- (घ) पराधीनता को हटाया

(ii) संसार में गूँजने वाली घोषणा थी
- (क) प्रण से पशुबल को ललकारा
- (ख) भारतवर्ष स्वतंत्र हमारा
- (ग) नए विचारों की है धारा
- (घ) हुआ उठ खड़ा भारत प्यारा

(iii) मुक्ति-भावना से तात्पर्य है
- (क) पराधीनता से मुक्ति
- (ख) उत्तरदायित्वों से मुक्ति
- (ग) अधिकारों से मुक्ति
- (घ) संसार से मुक्ति

(iv) नए विचारों की धारा कब से बह रही है ?

(क) नई ज़िंदगी मिलने पर

(ख) देश के विभाजन के बाद

(ग) बंधन टूटने के बाद

(घ) आज़ादी मिलने के बाद

(v) कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) हमारी आवाज़

(ख) देश की घोषणा

(ग) पशुबल को चुनौती

(घ) स्वतंत्रता का गीत

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

समय के सभी साथ जीवन बदलते,
समय को बदलता हुआ तू चला चल ।
कि भर आत्मविश्वास हर साँस में तू
उषा के लिए हास भर आस में तू
उड़ा दे सभी त्रास उच्छ्वास में तू
बदल दे नरक के सभी दृश्य पल में
बना दे अमृत विश्व का सब हलाहल ।
निराशा तिमिर में रुका ही नहीं तू
न तूफ़ान में भी झुका है कभी तू
जगत्-चित्र की तूलिका है सही तू
तुझे विश्व मदिरा पिलाए भला क्या
स्वयं विश्व को प्राण दे औ' जिया चल
निशा में तुझे चाँद ने पथ दिखाया
प्रलय-मेघ ने बिजलियों को बुलाया
थके प्राण को सिंह का स्वर पिलाया
धरा ने बिछा दिल, नगों ने उठा सिर
बनाया तुझे, तू नया जग बना, चल ।

(i) कविता किसे संबोधित है ?

(क) भारतीय युवा को

(ख) मज़दूर को

(ग) आँधी-तूफ़ान को

(घ) संपूर्ण विश्व को

(ii) भारतीय वीरों को कैसे आगे बढ़ने को कहा गया है ?

(क) समय-असमय की चिंता न करते हुए

(ख) समय पर काम करते हुए

(ग) समय के साथ चलते हुए

(घ) समय को बदलते हुए

(iii) 'उड़ा दे सभी त्रास उच्छ्वास में तू' — पंक्ति में आग्रह है

(क) कष्टों को भूल जाने का

(ख) परेशानियों को दूर करने का

(ग) निडरता का

(घ) डराने का

(iv) प्राकृतिक शक्तियों ने भारतीय वीर का निर्माण किया है, इसलिए उसे

(क) नए विश्व का निर्माण करना चाहिए

(ख) आत्मविश्वास से भर जाना चाहिए

(ग) प्रकृति का धन्यवाद करना चाहिए

(घ) विष को अमृत बना देना चाहिए

(v) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) युवक

(ख) उत्साही वीर

(ग) वीर सेनानी

(घ) आत्मविश्वासी

खण्ड ख

5. (i) ओचुमेलॉव मुड़ा और <u>भीड़ की तरफ</u> चल पड़ा । — रेखांकित पदबंध है *1*

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया-विशेषण

(घ) विशेषण

(ii) "सदैव जल से भरी रहने वाली नदी यहाँ बहती है" — वाक्य में संज्ञा-पदबंध है *1*

(क) सदैव जल से

(ख) भरी रहने वाली

(ग) जल से भरी रहने वाली

(घ) जल से भरी रहने वाली नदी

(iii) <u>राजेश ने</u> आज ही पिताजी को पत्र लिखा — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है *1*

(क) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिग, बहुवचन

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iv) "<u>हम</u> इसी शहर में रहते हैं" — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है *1*

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, बहुवचन

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, प्रथम पुरुष, बहुवचन

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, बहुवचन

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन

6. (i) "मज़दूर आए हैं और अपना काम कर रहे हैं" — वाक्य-रचना की दृष्टि से है *1*

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) जटिल वाक्य

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : *1*

(क) उससे किताब वापस आ गई ।

(ख) वह किताब जो मैंने उसे दी थी, वापस आ गई ।

(ग) मैंने उसे किताब दी थी और वह वापस आ गई ।

(घ) मैंने उसे किताब दी थी परन्तु उसने वापस कर दी ।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है : *1*

(क) वह बाज़ार से फल ख़रीद लाया ।

(ख) वह बाज़ार गया और फल ख़रीद लाया ।

(ग) वह बाज़ार फल ख़रीदने गया ।

(घ) वह बाज़ार जाकर फल ख़रीद सका ।

(iv) "शिक्षक कक्षा से निकले । छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया" — इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है *1*

(क) शिक्षक कक्षा से निकले और छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया ।

(ख) कक्षा से शिक्षक के निकलते ही छात्रों ने खेलना शुरू किया ।

(ग) ज्योंही शिक्षक कक्षा से निकले, छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया ।

(घ) शिक्षक कक्षा से निकले परन्तु छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया ।

7. (i) 'अत्याचार' का संधि-विच्छेद है *1*

(क) अत्या + आचार

(ख) अति + आचार

(ग) अत्य + आचार

(घ) अत्या + चार

(ii) 'चरण + अमृत' की संधि है *1*

(क) चरणामृत

(ख) चरणमृत

(ग) चर्णामृत

(घ) चरणाम्रित

(iii) 'द्वारकाधीश' समस्त पद का विग्रह है *1*

(क) द्वारका में अधीश

(ख) द्वारका को अधीश

(ग) द्वारका का अधीश

(घ) द्वारका के लिए अधीश

(iv) 'पीत है जो अम्बर' का समस्त पद है *1*

(क) पीतम्बर

(ख) पीताम्बर

(ग) पितांबर

(घ) पीला अंबर

8. (i) "पढ़-लिखकर वह अपने __________ हो सकता है।" उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए — *1*

(क) आँखों से देखना

(ख) आगबबूला होना

(ग) आँखें लाल होना

(घ) पैरों पर खड़ा होना

(ii) "वास्तव में उस आदमी की रामकहानी बड़ी दर्दनाक है। विश्वास न हो तो उसी से पूछ लीजिए। कहा भी है ________।" उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए — *1*

(क) आम के आम गुठलियों के दाम

(ख) नेकी कर कुएँ में डाल

(ग) अपना हाथ जगन्नाथ

(घ) हाथ कंगन को आरसी क्या

(iii) 'अँगूठा दिखाना' मुहावरे का अर्थ है *1*

(क) धोखा खाना

(ख) अपनी तारीफ़ करना

(ग) मना कर देना

(घ) हार मानना

(ख) [illegible]

(ग) सामने न आना

(घ) थोड़ी-सी प्राप्ति पर घमंड होना

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) लाल फूलों का गुच्छा ले आइए ।

(ख) फूलों का लाल गुच्छा ले आइए ।

(ग) गुच्छा लाल फूलों का ले आइए ।

(घ) लाल गुच्छे में फूल ले आइए ।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) हमने उसे देखना है ।

(ख) हम उसे देखे हैं ।

(ग) हमने उसे देखा ।

(घ) हम उसे देखा हूँ ।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : *1*

(क) मुझे आज यहीं रहना है ।

(ख) तुम अब कहाँ जाओगे ?

(ग) मेरे पिताजी आने वाले हैं ।

(घ) मेरे को क्यों नहीं बताया ?

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) कृपया करके आप यहाँ से चले जाइए ।

(ख) कृपया आप यहाँ से चले जाइए ।

(ग) आप कृपा करके चले जाओ ।

(घ) कृपा करके आप जाओ ।

[illegible]

(ग) सामने न आना

(घ) थोड़ी-सी प्राप्ति पर घमंड होना

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) लाल फूलों का गुच्छा ले आइए ।

(ख) फूलों का लाल गुच्छा ले आइए ।

(ग) गुच्छा लाल फूलों का ले आइए ।

(घ) लाल गुच्छे में फूल ले आइए ।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) हमने उसे देखना है ।

(ख) हम उसे देखे हैं ।

(ग) हमने उसे देखा ।

(घ) हम उसे देखा हूँ ।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : *1*

(क) मुझे आज यहीं रहना है ।

(ख) तुम अब कहाँ जाओगे ?

(ग) मेरे पिताजी आने वाले हैं ।

(घ) मेरे को क्यों नहीं बताया ?

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) कृपया करके आप यहाँ से चले जाइए ।

(ख) कृपया आप यहाँ से चले जाइए ।

(ग) आप कृपा करके चले जाओ ।

(घ) कृपा करके आप जाओ ।

10. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर,
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुसवा करे
वो जवानी जो ख़ूँ में नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुलहन, साथियो
अब, तुम्हारे हवाले वतन, साथियो ।

(i) 'साथियो' किन्हें कहा गया है ?
- (क) भारतीयों को
- (ख) वीर सैनिकों को
- (ग) सहपाठियों को
- (घ) नेताओं को

(ii) किसके लिए जान देने की ऋतु रोज़ नहीं आती ?
- (क) प्यार के लिए
- (ख) मित्र के लिए
- (ग) देश के लिए
- (घ) धर्म के लिए

(iii) बलिदान न देने वाला यौवन किन्हें बदनाम करता है ?
- (क) पुरुष और नारी को
- (ख) सुन्दरता और प्रेम को
- (ग) आलसी और मेहनती को
- (घ) दुष्टता और सज्जनता को

(iv) कैसी जवानी को व्यर्थ माना जाता है ?
- (क) जो अपनी बहादुरी दूसरों को न दिखाए
- (ख) जो दूसरों को न सताए
- (ग) जो ज़बर्दस्ती किसी का धन न छीने
- (घ) जो देश के लिए ख़ून न बहाए

(v) धरती क्या बनी हुई है ?

(क) उदास औरत

(ख) नवेली दुलहन

(ग) पानी से भरी नदी

(घ) सैनिकों की माँ

अथवा

चलो अभीष्ट मार्ग से सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें, उन्हें ढकेलते हुए ।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ॥

(i) अभीष्ट मार्ग क्या है ?

(क) जीवन जीने का मार्ग

(ख) कार्यालय आने-जाने का मार्ग

(ग) गाँव को शहर से जोड़ने वाला मार्ग

(घ) सहर्ष खेलने का मार्ग

(ii) विघ्न-बाधाएँ आने पर क्या करना चाहिए ?

(क) काम शुरू नहीं करना चाहिए

(ख) उन्हें दूर करना चाहिए

(ग) काम रोक देना चाहिए

(घ) उलझना नहीं चाहिए

(iii) 'भिन्नता न बढ़े' का आशय है

(क) मतभेद कम हों

(ख) मतभेदों में भिन्नता हो

(ग) मत-भिन्नता हो

(घ) भेदभाव भिन्न हों

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं । लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही क़दम उठाते हैं । वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं ? ख़ुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें यही महत्त्व की बात है । यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है । समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है । व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है ।

(क) व्यवहारवादी लोगों की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ? *2*

(ख) महत्त्व की बात क्या है ? *1*

(ग) समाज को आदर्शवादी लोगों की क्या देन है ? *2*

अथवा

हमारे जीवन की रफ़्तार बढ़ गई है । यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है । कोई बोलता नहीं, बकता है । हम जब अकेले पड़ते हैं, तब अपने आप से लगातार बड़बड़ाते रहते हैं । अमेरिका से हम प्रतिस्पर्धा करने लगे । एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे । वैसे भी दिमाग़ की रफ़्तार हमेशा तेज़ ही रहती है । उसे 'स्पीड' का इंजन लगाने पर वह हज़ार गुना अधिक रफ़्तार से दौड़ने लगता है । फिर एक क्षण ऐसा आता है जब दिमाग़ का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है । यही कारण है जिससे मानसिक रोग यहाँ बढ़ गए हैं ।

(क) जीवन की रफ़्तार बढ़ने से लेखक का क्या आशय है ? *2*

(ख) जापानियों के दिमाग़ में स्पीड का इंजन लगाने की बात क्यों कही गई है ? *2*

(ग) जापान में मानसिक रोग क्यों बढ़ने लगे हैं ? *1*

14. (क) सबकी उपस्थिति में नायक-नायिका के बातें करने का वर्णन बिहारी ने किस प्रकार किया है ? अपने शब्दों में लिखिए । *2*

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता के माध्यम से कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाह रही है और क्यों ? *1*

(ग) "आत्मत्राण" कविता क्या संदेश देती है ? *2*

15. 'सपनों के-से दिन' कहानी के आधार पर लिखिए कि लेखक को स्कूल जाने और नई कक्षा में पढ़ने की कोई ख़ुशी क्यों नहीं होती थी ? उन्हें कब और क्यों स्कूल जाना अच्छा लगता था ? *3*

अथवा

'सपनों के-से दिन' कहानी के आधार पर मास्टर प्रीतम चंद के व्यवहार की उन बातों का उल्लेख कीजिए जिनके कारण विद्यार्थी उनसे नफ़रत करते थे ।

16. 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घर वालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों ? *2*

खण्ड घ

17. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) <u>ग्रामीण जीवन और भारत</u>

- गाँव और शहर
- दोनों प्रकार के जीवन में भेद
- सुविधा, असुविधा

(ख) <u>विद्यालय का वार्षिकोत्सव</u>

- तैयारी एवं प्रस्तुति
- विभिन्न कार्यक्रम
- प्रगति की झाँकी

(ग) <u>बेरोज़गारी और आज का युवा वर्ग</u>

- समस्या का स्वरूप
- बेरोज़गारी के कारण
- दूर करने के उपाय

18. विद्यालय में लगी विज्ञान-प्रदर्शनी के बारे में अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए । *5*

अथवा

आपको विद्यालय जाने के लिए जाने-आने की सीधी बस-सेवा उपलब्ध नहीं है । अपने क्षेत्र के परिवहन-अधिकारी को एक नई बस-सेवा चालू करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए ।